## अनमोल खजाना

मैं विज्ञान प्रगति का लगभग 5 वर्षों से नियमित पाठक हूँ। सितम्बर माह की विज्ञान प्रगति को नए कलेवर में देख कर बहुत प्रसन्नता हुई। मैं सिविल सेवा का प्रतियोगी छात्र हूँ। हमारे लिए विज्ञान प्रगति पत्रिका अनमोल खजाना है क्योंकि इसमें सभी विषयों को, जो कि विज्ञान से सम्बन्ध रखते हैं, अत्यंत सारगर्भित भाषा में समझाया जाता है। इस अमूल्य प्रकाशन के लिए विज्ञान प्रगति टीम बधाई की पात्र है। सितम्बर के अंक में आमुख कथा एरियल ड्रोन तकनीक और मड वाल्केनो पर लिखे लेख बहुत ही शिक्षाप्रद लगे।

**श्री प्रभात कुमार मिश्र**
**ग्राम-चकतारा, पोस्ट-जहांगीरगंज**
**जिला-अम्बेडकरनगर 224 147 (उ.प्र.)**

## सारगर्भित अंक

विज्ञान प्रगति के सितम्बर अंक में आपदा प्रबंधन पर लिखी आमुख कथा सारगर्भित सामयिक लगी, साधुवाद। आपदा प्रबंधन हेतु भारत के परमाणु बिजली घर एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं। बिजली घर के समीप किसी गांव को लक्ष्य बनाकर आपातकालीन स्थिति का रिहर्सल किया जाता है, ताकि जागरूकता बनी रहे। कर्मचारी प्रशिक्षित रहें एवं समीप रहने वाली जनता को भरोसा रहे कि बिजली घर आपदा की स्थिति से निपटने के लिए सक्षम व समर्थ हैं एवं उनका परिवार व वे सुरक्षित हैं। आपदा प्रबंधन की तैयारी हर संस्थान का कर्त्तव्य है एवं समाज का जीवन बचाने के लिए पूरे प्रयास करना हमारा नैतिक कर्त्तव्य है।

**श्री दिलीप भाटिया**
**372/201, न्यू मार्केट**
**रावतभाटा 323 307 (राजस्थान)**
**[मो. : 09461591498**
**ई-मेल : dileepkailash@gmail.com]**

## प्रकाशमयी पत्रिका

विज्ञान प्रगति समाज को एक सूत्र में पिरोकर रखने का कार्य कर रही है। नई तकनीकों, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के बारे में समग्र जानकारी हमें इस पत्रिका के माध्यम से प्राप्त हो जाती है। जिस प्रकार सूर्य की किरणों से सारा जग जगमगा उठता है, उसी प्रकार विज्ञान प्रगति अपनी ज्ञान रूपी किरणों से हमारे राष्ट्र को रोशन कर रही है। विज्ञान की भाषा सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों तक फैला रही है। हर एक वर्ग, समाज, व्यक्ति विशेष को इस पत्रिका से लाभ हो रहा है और लोग नयी जानकारियों से प्रभावित हो रहे हैं। मैंने अपने कार्यालय में हर एक माह 'विज्ञान प्रगति अनिवार्य कर दिया है। मैं लोगों को विज्ञान प्रगति पढ़ने की सलाह देता हूँ और छात्रों के लिए विज्ञान प्रगति पत्रिका निःशुल्क उपलब्ध करवाता हूँ। धन्यवाद!

**श्री ई. दयाल गोप, मेकैनिकल इंजिनियर**
**संस्थापक, जनजागृति समिति, ग्राम-हरधोवा, पोस्ट-करुम्बा**
**थाना-चंद्रपुरा, जिला-बोकारो (झारखण्ड)**
**[मो. : 07763929960]**

## ज्ञानवर्धक पत्रिका

मैं विज्ञान प्रगति पत्रिका का पिछले 4 वर्ष 2 माह से नियमित पाठक हूँ। इसमें प्रकाशित सभी लेख बहुत ही ज्ञानवर्धक लगते हैं। मैं विज्ञान के खगोलशास्त्र में रुचि रखने वाला छात्र हूँ जो आज विज्ञान प्रगति की ही देन है। विज्ञान प्रगति पत्रिका से हमें हर माह वैज्ञानिकों की नई-नई खोजों के बारे में जानकारी मिलती है। मैं विज्ञान प्रगति को विज्ञान का वरदान मानते हुए सभी छात्र-छात्राओं से निवेदन करना चाहता हूँ कि वे इसे अवश्य पढ़ें। मेरे लिए विज्ञान प्रगति विज्ञान के ज्ञान का प्रतीक है।

**श्री अभय कुमार मिश्रा**
**विश्वम्भरपुर वार्ड नं. 05, पोस्ट-चनायन बाँध**
**थाना-मझौलिया, जिला-पश्चिमी-चम्पारण**
**(बेतियाँ) 845 454 (बिहार)**
**[मो. : 07482999712; 08873189809;**
**ई-मेल : abhaymishrabth@gmail.com]**

## उपयोगी अंक

विज्ञान प्रगति के सितम्बर 2017 के अंक में एरियल ड्रोन तकनीक पर सुंदर एवं उपयोगी लेख पढ़ा। हमारे देश में भी ड्रोन की सहायता से बीजों की वर्षा कर जंगल लगाने के प्रारम्भिक प्रयास किये गये हैं। पिछले विश्व पर्यावरण दिवस (05 जून 2017) पर ड्रोन का उपयोग कर बीजों की वर्षा का सफल प्रयास दिखाया गया था। ड्रोन से यह बीजों की वर्षा कोलार जिले के गौरीबिदनूर के क्षेत्र में पिनाकनी नदी के किनारों पर की गयी। इस प्रकार से तीन वर्षों तक प्रतिवर्ष 10,000 एकड़ पर बीज वर्षा की योजना है। पहाड़ियों के दुर्गम स्थानों पर पहुंचना काफी कठिन होता है अतः वहां ड्रोन से बीजों की वर्षा काफी उपयोगी साबित हो सकती है।

**डॉ. ओ.पी. जोशी**
**निवास-54, मधुबन कालोनी, केसर बाग रोड**
**इन्दौर 452 009 (म.प्र.)**
**[मो. : 07312478672; 09926047209]**

## सराहनीय पत्रिका

विज्ञान प्रगति सितम्बर 2017 के अंक में आपदा प्रबंधन में उपयोगी एरियल ड्रोन तकनीक की सम्पूर्ण जानकारी प्रस्तुत करके इस पत्रिका के पाठकों को जिस सुव्यवस्थित तरीके से आपने अवगत कराया है, वह वास्तव में बहुत सराहनीय है। इसके बारे में लोगों को बहुत ही कम जानकारी है। विकास के क्रम में आपदाओं का स्वरूप परिवर्तन हुआ है एवं संख्या में वृद्धि हुई है जिसके कारण अपार जन-धन की हानि को रोक पाना परम्परागत उपकरणों व विधियों से कदापि सम्भव नहीं है। ऐसे में एरियल ड्रोन तकनीक वरदान के समान है। इसके लेखक नरेन्द्र जोशी एवं विष्णु गाडगील की जितनी भी सराहना की जाए कम है। इसके अलावा विशेष आलेख 'सौर ऊर्जा : पौधों के लिए रोग नियंत्रक' में भी नवीनतम जानकारियां मिली हैं। देश में परंपरागत खाद्यान्न तथा जड़ी बूटी का पर्याप्त मात्रा में उत्पादन होगा तभी लोगों को भर पेट भोजन व स्वस्थ्य रहने के लिए प्राकृतिक जड़ी बूटियों से बनी शुद्ध औषधियां उपलब्ध होंगी।

**डॉ. वी.के. वर्मा**
**पटेल एस.एम.एच.हॉस्पिटल एण्ड आयुर्वेदिक**
**पैरामेडिकल कालेज, गोटवा (मरहा) कटया**
**जनपद-बस्ती 272 001 (उ.प्र.)**
**[मो. : 09415163328; 09559669921]**

### सूचना

सभी लेखकों से अनुरोध है कि अपने लेख के साथ, जिस बैंक में आपका खाता है, उस बैंक के बारे में निम्न ब्यौरा अवश्य भेजें, जिससे कि प्रकाशित लेख का मानदेय लेखक के खाते में भेजा जा सके :
खाता धारक का नाम, खाता संख्या, बैंक का नाम, बैंक का पता, MICR कोड, शाखा कोड, IFSC कोड, SWIFT कोड।

**सम्पादक**